Literacy for a Billion

Movie: Amar Akbar Anthony
Year: 1977

Song: Anhoni Ko Honi Kar De
Lyricist: Anand Bakshi

अनहोनी को होनी करना
हमारा काम है

अनहोनी को होनी कर दें
होनी को अनहोनी
अनहोनी को होनी कर दें
होनी को अनहोनी
एक जगह जब जमा हों तीनों
अमर अकबर अेन्थोनी
अमर अकबर अेन्थोनी
अनहोनी को होनी कर दें
होनी को अनहोनी
अनहोनी को होनी कर दें
होनी को अनहोनी
एक जगह जब जमा हों तीनों
अमर अकबर अेन्थोनी
अमर अकबर अेन्थोनी
एक, एक से भले दो
दो, दो से भले तीन
दूल्हा दुल्हन साथ नहीं
बाजा है बारात नहीं
अरे दूल्हा दुल्हन साथ नहीं
बाजा है बारात नहीं
कुछ डरने की बात नहीं
ये मिलन की रैना है
कोई ग़म की रात नहीं
यारों हँसो बना रखी है

क्यों ये सूरत रोनी
यारों हँसो बना रखी है
क्यों ये सूरत रोनी
एक जगह जब जमा हों तीनों
अमर अकबर अेन्थोनी
अमर अकबर अेन्थोनी
एक, एक से भले दो
दो, दो से भले तीन
शमा के परवानों को
इस घर के मेहमानों को
शमा के परवानों को
इस घर के मेहमानों को
पहचानो अनजानों को
कैसे बातें मतलब की
समझाऊँ दीवानों के
सपन सलोने लेके आई
है ये रात सलोनी
सपन सलोने लेके आई
है ये रात सलोनी
एक जगह जब जमा हों तीनों
अमर अकबर अेन्थोनी
अमर अकबर अेन्थोनी
अनहोनी को होनी कर दें
होनी को अनहोनी
एक जगह जब जमा हों तीनों
अमर अकबर अेन्थोनी
अमर अकबर अेन्थोनी

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.